>

Title: Need to look into the problems being faced by teachers and employees of Venture Schools in Assam.

डॉ. तरुण मंडल (जयनगर): सभापति महोदया, मैं शून्य प्रहर में एक महत्वपूर्ण मुद्दे के बारे में कहना चाहता हूं। असम प्रदेश की शिक्षण प्रणाली के बारे में गुवाहाटी शहर में कई शिक्षक भूख हड़ताल पर हैं। वे 13 तारीख को दिल्ली में आए थे। उन्होंने अपनी मांग के लिए जंतर-मंतर में प्रदर्शन किया था। असम प्रदेश में शिक्षण व्यवस्था के लिए स्कूल-कॉलेज के प्रादेशीकिकरण की एक नीति है। उसे पिछले बीस सालों से लागू नहीं किया गया है। इस कारण 17 हजार स्कूल-कॉलेज और एक लाख 50 हजार से ऊपर शिक्षकों के लिए न कोई सैलरी है, न पैंशन है और न ही कोई वर्क गारंटी है। इसलिए बहुत से लोग भूखे मर रहे हैं। कई लोगों ने आत्महत्या भी की है।

मैं आपके माध्यम से प्राइम मिनिस्टर ऑफिस और प्राइम मिनिस्टर साहब को ज्ञापन देना चाहता हूं कि उनका सौल्युशन तुंत होना चाहिए और असम प्रादेशीकरण एक्ट, 1977 के माध्यम से सबको नौकरी देनी चाहिए। सबकी सुरक्षा होनी चाहिए, क्योंकि केन्द्र सरकार राइट फॉर एजुकेशन की जो नीति लाई है, असम प्रदेश में उसे लागू करने के लिए प्रादेशीकरण बहुत जरूरी है।